DEPARTMENT OF SANSKRIT & PRAKRIT LANGUAGES UNIVERSITY OF LUCKNOW, LUCKNOW

आज दिनांक 02.07.2022 को संस्कृत विभागाध्यक्ष कक्ष में 11.00 बजे संस्कृत अध्ययन मण्डल की आकस्मिक/विशेष बैठक सम्पन्न हुई जिसमें अधोलिखित सदस्य उपस्थित हुये–

1. डॉ0 अभिमन्यु सिंह 02/07/2022
2. डॉ0 सत्यकेतु 02/07/2022
3. डॉ0 माण्डवी सिंह (ऑनलाइन)
4. डॉ0 भुवनेश्वरी भारद्वाज, (आमंत्रित सदस्य) 02.07.22
5. डॉ0 बृजेश कुमार सोनकर, (आमंत्रित सदस्य) 2/7/2022
6. प्रो0 प्रेम सुमन शर्मा, अध्यक्ष 02/07/2022

कार्यवृत्त

1. दिनांक 28.5.2022 को सम्पन्न अध्ययन मण्डल की बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गयी।
2. स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम पर विचार विमर्श करके अपेक्षित आंशिक संशोधन सर्वसम्मति से किया गया।
3. पी–एच0डी0 कोर्सवर्क के पाठ्यक्रम में संशोधन करके क्रेडिट सिस्टम के अनुरूप सर्वसम्मति से पारित किया गया।
4. स्नातक द्वितीय सेमेस्टर (पुराना सेलेबस) संस्कृत, प्रायोगिक संस्कृत तथा पालि के प्रश्नपत्र निर्माण हेतु परीक्षकों की सर्वसम्मति से संस्तुति की गयी।
5. परास्नातक द्वितीय, चतुर्थ सेमेस्टर (पुराने सेलेबस) के परीक्षकों की सर्व सम्मति से संस्तुति की गयी।
6. सौम्या, मधुबाला तथा रमेश कुमार के पी–एच0डी0 शोध–प्रबन्ध के परीक्षक सर्वसम्मति से स्वीकृत किये गये।

उपर्युक्त निर्णयों के साथ बैठक सधन्यवाद समाप्त हुई

02/07/2022 02/07/2022

2/7/2022 02.07.22

पदेन अध्यक्ष
संस्कृत तथा प्राकृत भाषा–विभा

नई शिक्षा नीति 2020

अनुरूपः

अध्ययनमण्डलसंशोधितः

(28th July 2021)

चतुर्वर्षीयस्नातक-संस्कृत-पाठ्यक्रमः

(The course of Sanskrit for four year Under Graduate)

According to New Education Policy 2020

संस्कृतप्राकृतभाषाविभागः, लखनऊविश्वविद्यालयः

Proposed Structure UG- Sanskrit

Year	Semester	Major 1			Major 2		Minor		CC/VC		Total Credits	Award
	Sanskrit			Credits		Credits		Credits		Credits		
1	Semester 1	Paper 1	संस्कृतपद्यसाहित्यम्	4	Paper 1	4	Paper 1	4	CC1	4	24	Certificate
		Paper 2	व्याकरणमनुवादश्च	4	Paper 2	4						
	Semester 2	Paper 3	संस्कृतकाव्यशास्त्रम्	4	Paper 3	4	Paper 2	4	VC1	4	24	
		Paper 4	लघुसिद्धान्तकौमुदी, अनुवादो निबन्धश्च	4	Paper 4	4						
2	Semester 3	Paper 5	संस्कृतनाटकम्	4	Paper 5	4	Paper 3	4	CC2	4	24	Diploma
		Paper 6	अजन्तरूपसिद्धिर्निबन्धश्च	4	Paper 6	4						
	Semester 4	Paper 7	संस्कृतगद्यसाहित्यं चम्पूकाव्यञ्च	4	Paper 7	4	Paper 4	4	VC2	4	24	
		Paper 8	मध्यसिद्धान्तकौमुदी	4	Paper 8	4						
3	Semester 5	Paper 9	वेदो भारतीयसंस्कृतिश्च	4	Paper 9	4			Internship/ Assignment	4	24	B.A. Degree
		Paper 10	आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम्	4	Paper 10	4						
		Paper 11A	संस्कृतरूपकं नाट्यशास्त्रञ्च	4								
		Paper 11B	समासः छन्दशास्त्रञ्च									
	Semester 6	Paper 12	उपनिषद्वाङ्मयं दर्शनञ्च	4	Paper 11	4			Minor Project	4	24	
		Paper 13	धर्मशास्त्रं नीतिशास्त्रञ्च	4	Paper 12	4						
		Paper 14A	राजतन्त्रमर्थशास्त्रञ्च	4								
		Paper 14B	भारतीयवास्तुशास्त्रम्									
4	Semester 7	Paper 15	वेदो वेदवाङ्मयञ्च	4					Research Methodology	4	24	B.A. Research
		Paper 16	काव्यं काव्यशास्त्रञ्च	4								
		Paper 17	भारतीयदर्शनम्	4								
		Paper 18A	भाषाविज्ञानं व्याकरणञ्च	4								
		Paper 18B	संस्कृतं विज्ञानञ्च									
		Paper 19A	पालिप्राकृतसाहित्यम्	4								
		Paper 19B	पुराणमितिहासश्च									
	Semester 8								Major Project	24	24	
				76		48		16		52	192	

स्नातक-प्रथमषाण्मासिकसत्रम्

(B.A. First Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

Credits-04

(संस्कृतपद्यसाहित्यम्)

T/04

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि-**

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस,छंद,अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे।

प्रथमो वर्गः (Unit- I)

महाकविकालिदासकृतं कुमारसम्भवम् पञ्चमसर्गः श्लोकाः 1-50

(मूलपाठस्य हिन्दीभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

द्वितीयो वर्गः (Unit- II)

भारविकृतं किरातार्जुनीयम्-प्रथमसर्गः सम्पूर्णः

(मूलपाठस्य संस्कृतभाषया व्याख्यात्मकमध्ययनम्)

तृतीयो वर्गः (Unit- III)

माघकृतं शिशुपालवधम्-प्रथमसर्गः श्लोकाः 1-50

(मूलपाठस्य हिन्दीभाषया व्यख्यात्मकमध्ययनम्)

चतुर्थो वर्गः (Unit- IV)

संस्कृतपद्यसाहित्येतिहासः

(कालिदासः, भारविः, माघः, श्रीहर्षः, अश्वघोषश्च)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- संस्कृत महाकाव्य की परम्परा, केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
- कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्गः)रायल् बुक् डिपो, लखनऊ
- कुमारसम्भवम् (पञ्चमसर्गः), डा. सत्यकेतु, परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
- शिशुपालवधमहाकाव्यम् , केशवराव मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग),डा.अशोककुमार शतपथी संस्कृत विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय
- कालिदास ग्रन्थावली आचार्य सीताराम चतुर्वेदी-चौखम्भा प्रकाशन वाराणसी
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ राजेंद्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ जनार्दन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली
- किरातार्जुनीयम् महाकाव्य, अनु. श्री राम प्रताप त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखंबा विद्याभवन वाराणसी
- कालिदासमीमांसा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

स्नातक-प्रथमषाण्मासिकसत्रम्

(B. A. First Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

Credits-04 **(व्याकरणमनुवादश्च)** T/04

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि**–

- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
- स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
- स्वर,व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

प्रथमो वर्गः (Unit-I)

लघुसिद्धान्तकौमुदी- संज्ञाप्रकरणम्

द्वितीयो वर्गः (Unit-II)

लघुसिद्धान्तकौमुदी - अच्सन्धिः

तृतीयो वर्गः (Unit-III)

हिन्दीगद्यस्य संस्कृतभाषयानुवादः

चतुर्थो वर्गः (Unit-IV)

संस्कृतव्याकरणशास्त्रस्त्येतिहासः

(पाणिनिः, कात्यायनः, पतञ्जलिः, भर्तृहरिः, भट्टोजिदीक्षितः, वरदराजः इत्येतेषां व्यक्तित्वं कर्तृत्वञ्च)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- लघु सिद्धांत कौमुदी,वरदराज,भैमीव्याख्या,भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग),भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री,चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी (संज्ञा संधि प्रकरण), डॉ वेदपाल, साहित्य भंडार, मेरठ
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- व्याकरणशास्त्र का इतिहास युधिष्ठिर मीमांसक, रामलालकपूर ट्रस्ट रेवली

स्नातक-द्वितीयषाण्मासिकसत्रम्

(B. A. Second Semester)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

Credits-04 **(संस्कृतकाव्यशास्त्रम्)** T/04

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्य शास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे।
- छंद भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे।
- संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे।
- कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।

प्रथमो वर्गः (Unit-I)

काव्यशोभा-पूर्वप्रकरणम् (01-03 शोभाः)

(व्याख्यात्मकसमीक्षात्मकप्रश्नाः)

द्वितीयो वर्गः (Unit-II)

काव्यशोभा-पूर्वप्रकरणम् (04-06 शोभाः)

(व्याख्यात्मकसमीक्षात्मकप्रश्नाः)

तृतीयो वर्गः (Unit-III)

काव्यशोभा-उत्तरप्रकरणम् (07-09 शोभाः)

(व्याख्यात्मकसमीक्षात्मकप्रश्नाः)

चतुर्थो वर्गः (Unit-IV)

काव्यशोभा-उत्तरप्रकरणम् (शोभा10)

(व्याख्यात्मकसमीक्षात्मकप्रश्नाः)

संस्तुत-ग्रन्थाः

- काव्यशोभा,(साहित्यदर्पणात्संग्रहः) सम्पादकः प्रो० बृजेशकुमार शुक्ल रायल बुक डिपो, लखनऊ
- साहित्यदर्पणः, विश्वनाथः चौखम्भा संस्थान, वाराणसी।
- संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास- बलदेव उपाध्याय चौखम्भा संस्थान, वाराणसी।

स्नातक-द्वितीयषाण्मासिकसत्रम्

(B. A. Second Semester)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

Credits-04 **(लघुसिद्धान्तकौमुदी, अनुवादो निबन्धश्च)** T/04

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- संस्कृत संधियों का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे ।
- व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।
- संस्कृत निबंध लेखन तथा अनुवाद कौशल का विकास होगा।

प्रथमो वर्गः (Unit-I)
लघुसिद्धान्तकौमुदी- हल् सन्धिः

द्वितीयो वर्गः (Unit-II)
लघुसिद्धान्तकौमुदी - विसर्गसन्धिः

तृतीयो वर्गः (Unit-III)
हिन्दीगद्यस्य संस्कृतभाषयानुवादः

चतुर्थो वर्गः (Unit-IV)
निबन्ध-लेखनम्

संस्तुत-ग्रन्थाः

- लघु सिद्धांत कौमुदी,वरदराज,भैमीव्याख्या,भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग),भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- लघु सिद्धांत कौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री,चौखंबा सुरभारती प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ उमेश चंद्र पांडे, चौखंबा प्रकाशन
- लघु सिद्धांत कौमुदी (संज्ञा संधि प्रकरण), डॉ वेदपाल, साहित्य भंडार, मेरठ
- लघु सिद्धांत कौमुदी, डॉ रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
- व्याकरणशास्त्र का इतिहास युधिष्ठिर मीमांसक, रामलालकपूर ट्रस्ट रेवली